भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1532
बुधवार, 31 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्री जल को पेयजल में परिवर्तित करना

†1532. श्री ई. टी. मोहम्मद बशीर:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में समुद्री जल को पेयजल में परिवर्तित करने की कोई परियोजना है, जो कि पृथ्वी विज्ञान का एक आपातकालीन क्षेत्र है; और
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां।

(ख) संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप के कावारत्ती, मिनिकॉय और अगात्ती द्वीपों पर एक-एक लाख लीटर प्रतिदिन पेयजल के उत्पादन की क्षमता वाले तीन विलवणीकरण संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एक स्वायत्त निकाय, राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित निम्न तापमान थर्मल विलवणीकरण (एलटीटीडी) तकनीक पर आधारित हैं। इन संयंत्रों की सफलता के आधार पर, गृह मंत्रालय (एमएचए) ने संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप के माध्यम से अमिनी, एंड्रोथ, चेटलेट, कदमत, कल्पेनी और किलतान में 1.5 लाख लीटर प्रतिदिन की क्षमता वाले 6 और एलटीटीडी संयंत्र स्थापित करने का कार्य सौंपा है। इनमें से कल्पेनी, अमिनी और कदमत में एक-एक संयंत्र को मिलाकर कुल तीन संयंत्र, हाल ही में स्थापित किए गए हैं।

*****